Sixteenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding National Register of Citizens furnished in Assam.

श्री गौरव गोगोई : महोदया, यह बहुत संवेदनशील मामला है। सबसे पहले तो हम अमन और चैन की माँग करते हैं। हमने कल गृह मंत्री जी और राज्य सरकार के मुख्य मंत्री जी का बयान देखा है। ऐसा लगता है कि एक हजार दौ सौ करोड़ रुपये खर्च करने के पश्चात् और पाँच वर्ष के सरकारी कर्मचारियों के परिश्रम के पश्चात् आज भी केन्द्र सरकार, राज्य सरकार इस एन.आर.सी. अपडेशन एक्सर्साइज़ के द्वारा यह नहीं कह पा रही हैं कि वास्तविक रूप में असम में विदेशी घुसपैठ की संख्या क्या है। वे आज भी यह नहीं बता पा रहे हैं। कल जो लिस्ट निकली है, जो 40 लाख लोग उस लिस्ट में नहीं हैं, क्या ये सारे विदेशी घुसपैठिए हैं? ऐसा उन्होंने नहीं कहा है।

माननीय अध्यक्ष: ऐसा उन्होंने नहीं कहा है।

…(व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई : महोदया, मुझे आपका संरक्षण चाहिए। गृह मंत्री जी ने यह कहा है कि जिन 40 लाख लोगों का नाम इस लिस्ट में नहीं आया है, इनको भयभीत होने की जरूरत नहीं है।…(व्यवधान) ये अपने क्लेम्स देंगे।…(व्यवधान) इनके पास समय है।…(व्यवधान) इसका मतलब यह है कि आज भी सरकार को पता है कि इन 40 लाख लोगों में ऐसे भी लोग हैं, जो भारत के नागरिक हैं। इसीलिए उनको क्लेम देने का अवसर मिल रहा है, इसीलिए उनको समय देने का अवसर मिल रहा है। क्लेम और समय देने का अवसर किसी विदेशी को नहीं मिलना चाहिए। इस बात से हम भी सहमत हैं। इसका मतलब है कि इनसे गलती हुई है और यह इन्हें पता है।

माननीय अध्यक्ष: इनसे गलती नहीं हुई है। उन्हें फिर से समय मिलेगा।

श्री गौरव गोगोई: महोदया, आपको सुनकर आश्चर्य होगा कि उनमें बच्चे हैं, जिनका नाम लिस्ट से एक्स्क्लूडिड है।

माननीय अध्यक्ष: उस सबको ये देख लेंगे। आप डिटेल में मत बोलिए।

श्री गौरव गोगोई: महोदया, मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त करता हूँ। आज वे हिन्दू-बंगाली परिवार जो प्री-1971 से भारत के पार्ट हैं, उनका नाम इस लिस्ट में नहीं है।...(व्यवधान) एक परिवार में पाँच बेटे हैं, उनमें से एक बेटे का नाम लिस्ट में नहीं आया है।...(व्यवधान) कार्बी-आंग्लोंग में ट्राइबल लोग हैं, गोरखा लोग हैं, गरीबी और अशिक्षित होने के कारण आज वे लोग इस लिस्ट में नहीं हैं।

...(व्यवधान)

महोदया, सरकार की एप्रोच बहुत ही कमजोर, कैजुअल और इनइफेक्टिव रही है।...(व्यवधान) कल जो यह गलती हुई है, सरकार इसकी जिम्मेदारी खुद न लेते हुए सुप्रीम कोर्ट की दुहाई दे रही है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप ऐसे गलत बयानी मत कीजिए। अब आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई: महोदया, रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब आप फ्लड पर बोलिए। You should now speak only on flood.

...(व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई: महोदया, हमारी माँग यह है कि ये जो 40 लाख लोग रह गए हैं, इनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। हम जूडिशियल अथॉरिटी की डिमांड करते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री राजीव सातव और डॉ.कुलमणि सामल जी को श्री गौरव गोगोई द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपकी बात हो गई है। अब ताम्रध्वज साहू जी बोलेंगे।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

*…(Interruptions)… **

माननीय अध्यक्ष: ये एलीगेशन लगे हों तो मैं उसे रिकॉर्ड में नहीं जाने दूँगी।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: इसमें हमारा-तुम्हारा कुछ नहीं है। अधीर रंजन जी, वह आपका स्टेट नहीं है।

…(व्यवधान)